शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -2
February
2025

फेक न्यूज और लोकतंत्र: पत्रकारिता की साख पर बढ़ता खतरा

डॉ. आलोक अग्रवाल
संकायाध्यक्ष
पत्रकारिता एवं जनसंचार
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

सारांश

फेक न्यूज (झूठी खबरें) आज के डिजिटल युग में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और पत्रकारिता की विश्वसनीयता के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट की व्यापक पहुँच के कारण गलत सूचनाएँ तेजी से फैल रही हैं, जिससे समाज में भ्रांतियाँ, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहे हैं। यह शोध पत्र फेक न्यूज के विभिन्न पहलुओं, इसके प्रभाव, कारणों और रोकथाम के संभावित उपायों पर प्रकाश डालता है।

कुंजीभूत शब्द

पत्रकारिता, लोकतंत्र, फेक न्यूज, निष्पक्षता और विश्वसनीयता।

1. परिचय

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, क्योंकि यह जनता तक सत्य और निष्पक्ष जानकारी पहुँचाने का कार्य करती है। लेकिन हाल के वर्षों में फेक न्यूज के प्रसार ने पत्रकारिता की साख को गहरा आघात पहुँचाया है। फेक न्यूज का उपयोग न केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, बल्कि यह समाज में दुष्प्रचार और गलतफहमियों को भी बढ़ावा देती है। इस शोध पत्र का उद्देश्य फेक न्यूज के उद्भव, प्रसार और लोकतंत्र पर इसके प्रभावों का विश्लेषण करना है।

2. फेक न्यूज के प्रकार

फेक न्यूज को मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -2
February
2025

2.1 गलत सूचना - यह अनजाने में फैलाई गई गलत जानकारी होती है, जो किसी तथ्यात्मक त्रुटि के कारण हो सकती है।

2.2 दुष्प्रचार - यह जानबूझकर फैलाई गई झूठी खबरें होती हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को भ्रमित करना या किसी विशेष एजेंडा को बढ़ावा देना होता है।

2.3 असत्य प्रचार - यह वह जानकारी होती है, जो वास्तविक होती है लेकिन इसे इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि इसका अर्थ विकृत हो जाए।

3. फेक न्यूज के प्रसार के माध्यम

फेक न्यूज के प्रसार के लिए कई माध्यम हैं, जिनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं:

3.1 सोशल मीडिया - फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्मों पर फेक न्यूज का प्रसार सबसे तेज़ होता है। इन माध्यमों पर वायरल होने वाली खबरें बिना किसी प्रमाण के भी लोगों तक पहुँच जाती हैं।

3.2 ब्लॉग्स और वेबसाइट्स - कई वेबसाइट्स और ब्लॉग्स झूठी या भ्रामक सामग्री प्रकाशित करके सनसनी फैलाने का कार्य करती हैं।

3.3 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया - कुछ टेलीविजन समाचार चैनल भी टीआरपी बढ़ाने के लिए अतिरंजित या असत्य खबरें प्रसारित करते हैं।

4. लोकतंत्र पर फेक न्यूज का प्रभाव

फेक न्यूज का लोकतंत्र और समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

4.1 राजनीतिक ध्रुवीकरण - फेक न्यूज चुनावों और राजनीतिक विचारधाराओं को प्रभावित कर सकती है, जिससे जनता विभाजित हो सकती है।

4.2 सामाजिक अस्थिरता - भ्रामक खबरें सांप्रदायिक दंगे, हिंसा और सामाजिक तनाव को जन्म दे सकती हैं।

4.3 मीडिया की साख पर संकट - लगातार फेक न्यूज के प्रसार के कारण पत्रकारिता की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर संदेह बढ़ जाता है।

शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -2
February
2025

5. फेक न्यूज की पहचान और रोकथाम

फेक न्यूज को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाए जा सकते हैं:

5.1 फैक्ट-चेकिंग प्लेटफार्म - Alt News, BOOM Live, Fatly जैसी वेबसाइट्स फेक न्यूज की पड़ताल करती हैं और जनता को सत्यापित जानकारी उपलब्ध कराती हैं।

5.2 कानून और नियमावली - विभिन्न देशों की सरकारें फेक न्यूज को नियंत्रित करने के लिए साइबर कानून और डिजिटल मीडिया संबंधी नीतियाँ बना रही हैं।

5.3 मीडिया साक्षरता - जनता को शिक्षित करना महत्वपूर्ण है ताकि वे खबरों की सत्यता की जाँच स्वयं कर सकें और अफवाहों से बच सकें।

6. निष्कर्ष

फेक न्यूज लोकतंत्र और पत्रकारिता के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। इसके प्रभाव को कम करने के लिए सरकार, मीडिया संस्थानों और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। डिजिटल साक्षरता और सही सूचना के प्रसार से ही इस समस्या का समाधान संभव है।

7. संदर्भ

1. वार्डल, सी., & देरख्शान, एच. (2017). सूचना विकार: अनुसंधान और नीति निर्माण के लिए एक अंतःविषय रूपरेखा की ओर, यूरोप परिषद
2. टंडोक, ई. सी., लिम, ज़ेड. डब्ल्यू., & लिंग, आर. (2018). "फेक न्यूज" की परिभाषा: विद्वानों की परिभाषाओं का एक वर्गीकरण। डिजिटल पत्रकारिता, 6(2), 137-153
3. लेज़र, डी. एम., एट अल. (2018). फेक न्यूज का विज्ञान। साइंस, 359 (6380), 1094-1096